



नई दिल्ली, मंगलवार  
08 अप्रैल 2025

नई दिल्ली। (राष्ट्रीय संस्करण)

# नेशनल प्रेस टाइम्स

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

वर्ष : 11, अंक : 39

[www.nationalpresstimes.com](http://www.nationalpresstimes.com)

पृष्ठ : 10

गूण्ड : 05 लप्ता

RNI No : UPHIN/2015/64579

## महंगी हुई गैस

घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत ₹ 50 बढ़कर ₹ 853

नई दिल्ली। सरकार ने एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों में इजाफे का एलान किया है। इस वृद्धि के साथ सामान्य उपभोक्ताओं के लिए 14.2 किलोग्राम वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत

803 रुपये से बढ़कर 853

रुपये हो जाएगी। उज्ज्वला

योजना के लिए तहत

उपभोक्ताओं के लिए

14.2 किलोग्राम

वाला सिलेंडर

553 में

रुपये में

उपलब्ध

होगा।

आइए इस

बारे में विस्तार

से जानें।

आम जनता को महंगाई के मोर्चे पर एक और झटका लगा है।



लूट, वसूली, हेटफेरी... सब मोटी सरकार के पर्याय बन चुके हैं, एलपीजी दाम बढ़ने पर बोले खड़े



नई दिल्ली। टीएमसी नेता कुणाल घोष ने कहा कि हम इस तरह की मूल्य वृद्धि का कड़ा विरोध करते हैं। यह लोगों पर बोझ है। केंद्र सरकार अपनी जनविरोधी नीतियों के कारण जनविरोधी है। ये मूल्य वृद्धि 'रीटी, कपड़ा और मकान' से संबंधित वस्तुओं के लिए है। हम इसकी निंदा करते हैं।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को बताया कि रसोई गैस या घरेलू एलपीजी सिलेंडर कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतारी की गई है। अब इसको लेकर विपक्ष सरकार पर हमलावर हो गया है।

कांग्रेस अध्यक्ष मलिकार्जुन खड़गे ने कहा कि छठकर्गैस सिलेंडर की ही कीमत रह गई

थी, मोटी जीँड़। इस बार तो महंगाई का चाबूक उज्ज्वला की गरीब महिलाओं की बचत पर भी चल गया। शेष पेज 2 पर

आपके शहर में 14.2 किलोग्राम सिलेंडर का नया भाव क्या

शहर	पुरानी कीमत (₹)	नई कीमत (₹)
नई दिल्ली	803.00	853.00
कोलकाता	829.00	879.00
मुंबई	802.50	852.50
गुडगांव	811.50	861.50
नोएडा	800.50	850.50
भुवनेश्वर	829.00	879.00
चंडीगढ़	812.50	862.00
हैदराबाद	855.00	905.00

एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें बढ़ गई हैं। घरेलू गैस सिलेंडर और उज्ज्वला योजना के लिए सिलेंडर पर 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतारी हुई है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने सोमवार को वितरण कंपनियों की ओर से रसोई गैस या एलपीजी की कीमत में 50 रुपये प्रति सिलेंडर की बढ़ोतारी किए जाने का एलान किया। मंत्री ने कहा कि उज्ज्वला और सामान्य श्रेणी के ग्राहकों दोनों के लिए गैस की कीमत में इजाफा किया गया है। नई कीमतें आज आधी रात से लागू हो जाएंगी। शेष पेज 2 पर

हैंडबॉल चैपियनशिप: सीएम योगी बोले- पांच साल में यूपी पुलिस में 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों की भर्ती की



लखनऊ। अखिल भारतीय पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर चैपियनशिप के शुभारंभ उपर्युक्तमें सीएम योगी ने शिरकत की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यूपी में खेलों के सुधार के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। पिछले पांच साल में यूपी पुलिस में 500 से अधिक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों की भर्ती की गई।

सीएम योगी ने कहा कि किसी आयोजन में 1300 से अधिक खिलाड़ियों का जुटना बड़ी बात है। मुझे पूरी उम्मीद है कि इस आयोजन का सफल समाप्त होगा। प्रदेश सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए कार्यक्रम में अधिक अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों की भर्ती की गई।

राजधानी लखनऊ में सोमवार को 35वीं वाहनी पीएमी, महानाराम में अखिल भारतीय पुलिस हैंडबॉल क्लस्टर चैपियनशिप का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में सीएम योगी आदित्यनाथ ने शिरकत की।

चीफ जिटिस पर फूटा मनता बन्जी का गुस्ता, कहा- मुझे जेल जाने की परवाह नहीं



## निवेशकों के 20 लाख करोड़ इक्के



मुंबई। भारतीय शेयर बाजार के लिए आज का दिन हाईलैक मंडेल सालित हो रहा है। अमेरिका के शुल्क बढ़ाने और चीन की जवाबी कार्रवाई के बाद वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट आई है।

सोमवार सुबह शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते निवेशकों को बड़ा झटका लगा। सेंसेक्स में पांच

फीसदी से अधिक की

गिरावट के कारण निवेशकों की संपत्ति में 20.16 लाख

करोड़ रुपये की जबरदस्त कमी आई है।

बीएसई सेंसेक्स में भारी गिरावट के कारण निवेशकों में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

अंक तक चढ़ाया गया है।

सेंसेक्स में भारी गिरावट के कारण निवेशकों में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया गया है।

नुकसान में रहे हैं। टाटा स्टील का शेयर आठ अंक तक चढ़ाया





# संपादकीय

## लाखों टन अनाज बबार्दी की जवाबदेही तय हो

जिस देश में करोड़ों लोग कुपोषण व खाद्यानन्द की किललत से जूझ रहे हों, उसके सिर्फ एक राज्य में ही, चार साल में 8191 मीट्रिक टन अनाज सड़ जाए, इससे ज्यादा शर्मनाक कुछ नहीं हो सकता। हमारा गैर-जिम्मेदार तंत्र व अदूरदर्शी नेतृत्व इसकी जवाबदेही से बच नहीं सकता। ये लापरवाही की अंतहीन शृंखला की दुर्भाग्यपूर्ण परिणति है। किसानों के खून-पसीने से उपजी और कर दाता के धन से खरीदी गई लाखों टन उपज का यूं बर्बाद होना बताता है कि हमारे तंत्र में प्रबंधन से जुड़े अधिकारी कितने संवेदनशील और गैर-जिम्मेदार हैं। चिंता की बात यह है कि पंजाब में साल-दर-साल बर्बाद होने वाले अनाज की मात्रा लगातार बढ़ती ही जा रही है। यानी इस संकट को अधिकारी गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। चिंता की बात यह कि जहां वर्ष 2022-23 में जहां करीब 264 मीट्रिक टन अनाज खराब हुआ था, वहीं वर्ष 2023-24 में यह आंकड़ा 29 गुना बढ़ गया बताया जाता है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार यह आंकड़ा बढ़कर 7764 मीट्रिक टन हो गया बताया जाता है। जिस देश में तमाम लोग कुपोषण व भुखमरी का दंश झेलते हों, वहां ये आंकड़े शर्मशार करने वाले ही हैं। एक आकलन के अनुसार इस बर्बाद हुए अनाज से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत सोलह लाख लोगों का पेट भरा जा सकता था। बताया जाता है कि खाद्यानन्द की बबार्दी के इस आंकड़े का उल्लेख उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की रिपोर्ट में किया गया है। निश्चित रूप से साल-दर-साल बढ़ती अन्न की बबार्दी हमारी लचर भंडारण क्षमता पर सवाल खड़े करती है।

हरित क्रांति की सफलता का पंजाब को भरपूर लाभ मिला। किसानों ने भी पूरे मनोयोग से कंधा से कंधा लगाकर सहयोग दिया। तत्कालीन सत्ताधीशों की सजगता व सक्रियता से यह क्रांति परवान चढ़ी। कालांतर में धरती सोना उगलने लगी। देश की खाद्य श्रुखंखला को मजबूत बनाने में पंजाब के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता। लेकिन राज्य के सत्ताधीशों ने इस बहुमूल्य खाद्यान्व को सहेजने में दूरदर्शिता नहीं दिखाई। यदि सरकार समय रहते बड़े पैमाने पर अनाज के गोदाम बनाती तो आज ये संकट पैदा नहीं होता। भंडारण संकट के चलते ही किसान भी फसल की कटाई के बाद तुरंत फसल बेचने मंडियों की तरफ दौड़ता है। जिसके चलते बिचौलिए व आढ़ती औने-पौने दाम पर किसानों को फसल बेचने के लिये मजबूर कर देते हैं। जिससे किसान को उसकी उपज का वाजिब दाम नहीं मिल पाता। किसान आज जो कई तरह के संकट उचित दाम न मिल पाने के कारण झेल रहा है, उसके मूल में भी अनाज भंडार व्यवस्था की खामियां भी हैं। बहरहाल, पंजाब में अनाज भंडार का जिम्मा संभालने वाले राज्य तत्र तथा फूड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया के लापरवाह अधिकारियों की इस आपराधिक लापरवाही की जवाबदेही तय करने की सख्त जरूरत है। दरअसल, सख्त कार्रवाई के अभाव में अधिकारी अपने गंभीर दायित्व के प्रति भी उदासीन बने रहते हैं। उन्हें विश्वास रहता है कि छोटी-मोटी कार्रवाई के बाद भी साफ बच जाएंगे। निस्संदेह, अनाज की बबार्दी पर शून्य सहिष्णुता की नीति अपनानी होगी।

दरअसल, वर्तमान परिणामी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये

निजी संपत्ति का  
घोषणा पत्र प्रस्तुत  
करना एक स्वैच्छिक  
परंपरा है। जिसे  
अनिवार्य बनाने की  
मांग की जाती रही  
है। निश्चय ही  
न्याय व्यवस्था के  
संरक्षक होने के  
कारण इसके  
स्वैच्छिक रहने पर  
तमाम किंतु-परंतु हो

सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियाँ देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्थ भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायपालिका पर जनता  
का भरोसा लोकतंत्र का अहम  
आधार है। न्यायिक प्रणाली में  
किसी सदैह की गुंजाइश नहीं  
रहे, इसके लिये न्यायपालिका  
में अधिक पारदर्शिता,  
जबावदेही एवं निष्पक्षता की  
जरूरत है, इसके लिये सर्वोच्च  
न्यायालय से निचली अदालतों  
तक के न्यायाधीशों को संपत्ति  
सार्वजनिक करने जैसे कदम  
उठाए जाने की अपेक्षा  
आजादी के अमृतकाल में  
तीव्रता से की जा रही थी,  
ताकि न्यायपालिका की  
पारदर्शिता और जैव

पारदर्शिता का लकर उठने वाले संदेह दूर हो सकें, यह मुद्दा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर कथित तौर पर जली हुई नोटों की गड्ढी मिलने जैसी घटनाओं और उनसे उपजे विवादों के बाद गंभीर सार्वजनिक विमर्श का बन गया था। जनचचार्हों एवं आदर्श राष्ट्र-निर्माण की अपेक्षाओं को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट के न्यायधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्योरा सार्वजनिक करने पर जो सहमति जताई है, वह सही दिशा में उठाया गया। उचित एवं प्रासंगिक कदम है। इससे न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ाने में मदद मिलेगी और आम लोगों का उस पर भरोसा मजबूत होगा। देश में न्यायालयों को ऐसी संस्था के रूप में देखा जाता है, जो आम लोगों के लिए न्याय की आखिरी उम्मीद है। न्याय करने वाले न्यायाधीशों पर संदेह के बादल मंडराना न्याय-प्रक्रिया पर भरोसा कम करने का एक बड़ा कारण बनता रहा है। अब जनता की अपने पंच-परमेश्वरों की स्वच्छ-धवल छवि की आकांक्षा पूरी होते हुए दिखाई देना एक रोशनी बना है, जिससे न्याय प्रक्रिया के प्रति विश्वास ज्यादा मजबूत होगा। नया भारत बनाने एवं सशक्त भारत बनाने के लिये न्यायिक प्रक्रिया में सुधार एवं पारदर्शिता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी ही चाहिए।

आया कि न्यायाधीश चाहें तो



## जजों की सम्पत्ति का खुलासा

अपनी संपत्ति का ब्यार सार्वजनिक कर सकते हैं लेकिन यह अनिवार्य नहीं स्वैच्छिक था। पिछले लगभग तीन दशक में, यह मामला कभी बार उठा है। सूचना का अधिकार लागू होने के बाद यह बहस भी हुई कि न्यायपालिका इसके दायरे में क्यों नहीं? इसके पीछे यहाँ तक रहा कि किसी निर्जन जानकारी को तब तक साझा करने की जरूरत नहीं, जब तक उससे सार्वजनिक हित न जुड़े हों। 2010 और 2019 में जब सुप्रीम कोर्ट में यह केस आया था, तब इसी तथ्य का आधार बनाकर कहा गया था कि जानकारी सार्वजनिक करने वाली न्यायाधीशों की इच्छा पर है एक तरह से यह व्यवस्था न्यायाधीशों को लगातार संदेहों के धेरे में रखती रही है। उम्मीदों की जानी चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा संपत्ति की सार्वजनिक घोषणा का निर्णय न्यायपालिका में पारदर्शिता कायम करने वाले एक सराहनीय कदम होगा। जजों की संपत्ति सार्वजनिक करने की मांग के पीछे बड़ा तर्क भी यहीं दिया जाता रहा है कि जब तक जजों की संपत्ति सार्वजनिक नहीं होगी तो न्यायपालिका में भ्रष्टाचार वे आरोपों पर ठोस कार्रवाई संभव नहीं हो सकेगी। देश में न्याय की प्रक्रिया सहज, सरल, पारदर्शी एवं समानतामूलक होने के साथ आम आदमी वे भरोसे वाली होनी चाहिए। इसके लिये भारत की सम्पूर्ण न्याय व्यवस्था का भारतीयकरण होना चाहिए। भारतीयकरण के लिये ईमानदारी, निष्पक्षता, पारदर्शिता, जबावदेही आवश्यक मूल्य है।

की थी कि न्यायाधीशों के लिए संपत्ति की घोषणा अनिवार्य की जाए। हालांकि कर्तितय कारणों से सरकार इस मामले में आगे नहीं बढ़ी। इसका एक बड़ा कारण सरकार पर यह आरोप लगना भी बना कि सरकार न्यायपालिका में अनावश्यक राजनीतिक दखल दे रही है। लेकिन न्यायपालिका की साख के लिए उसका स्वतंत्र होना और दिखना भी जरूरी है। लेकिन सम्पत्ति की घोषणा के मामले में उन्हें अतिरिक्त सुविधा देना या उनके लिये अतिरिक्त सुविधा का होना, सदैह का कारण बनता रहा है। दरअसल, वर्तमान परिपाटी के अनुसार न्यायाधीशों के लिये निजी संपत्ति का घोषणा पत्र प्रस्तुत करना एक स्वैच्छिक परंपरा है। जिसे अनिवार्य बनाने की मांग की जाती रही है। निश्चय ही न्याय व्यवस्था के संरक्षक होने के कारण इसके स्वैच्छिक रहने पर तमाम किंतु-परंतु हो सकते हैं। यूं तो न्यायपालिका के कामकाज में कई तरह की गड़बड़ियां देखने को मिलती हैं। संपत्ति की घोषणा जैसे कई स्तरों पर न्यायिक सुधार के प्रयास आगे बढ़ाने की जरूरत नये भारत, सशक्त भारत एवं आदर्श भारत के लिये जरूरी है। अब अगर सर्वोच्च अदालत के जज खुद को भी उन कसौटियों पर कसने में नहीं हिचक रहे हैं जिन्हें वे दूसरों के लिए जरूरी मानते हैं, तो निश्चित ही इस कदम से एक सकारात्मक संदेश जरूर गया है।

न्यायिक पारदर्शिता को बढ़ाने के उद्देश्य से, सुप्रीम कोर्ट के सभी 30 मौजूदा न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति को न्यायालय की अधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित करके सार्वजनिक रूप से प्रकट करने पर सहमति व्यक्त की है। यह घटनाक्रम न्यायपालिका में पारदर्शिता की कमी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद हुआ है, खासकर दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा से जुड़े विवाद के बाद। जिन न्यायाधीशों ने पहले ही अपनी घोषणाएं प्रस्तुत कर दी हैं, उनमें मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति भूषण रामकृष्ण गवई, न्यायमूर्ति बीवी नागरता, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी शामिल हैं। इसे फैसले को न्याय के प्रति जनता के भरोसे को और मजबूत करने के लिहाज से सही एवं सामयिक कदम के रूप में देखा जा रहा है, जो सुखद होने के साथ-साथ श्रेयस्कर न्याय-प्रक्रिया का द्योतक है। निश्चय ही यह एक सार्थक पहल ही कही जाएगी। इस नवीनतम प्रस्ताव के साथ, सुप्रीम कोर्ट ने सामूहिक रूप से संपत्ति के खुलासे को सार्वजनिक रूप से सुलभ बनाने का निर्णय लेकर जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। भारत के अनेक पड़ोसी देश बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल आदि में न्यायाधीश अपनी संपत्तियों की घोषणा करते हैं। कई देशों में यह स्वैच्छिक है तो कुछ जगह अनिवार्य भी है।

न्यायपालिका ही फरियाद का अंतिम पड़ाव कहा जाता है। ऐसे में न केवल सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश बल्कि न्यायपालिका के सभी स्तरों पर न्यायाधीश अपनी संपत्ति को सार्वजनिक करें तो इससे जनता को उनके प्रति विश्वास बढ़ेगा। अब तक का अनुभव बताता है कि उच्च न्यायालयों के स्तर पर भी जजों में संपत्ति को सार्वजनिक करने की प्रवृत्ति काफी कम है। मार्च 2025 तक, उच्च न्यायालयों के कुल 763 में से सिर्फ 49

आर जबाबदहा स भा जुड़ा ह यहां उल्लेख करना समीचीन होगा कि विधि एवं न्याय विभाग की संसदीय समिति ने वर्ष 2023 में न्यायाधीशों के लिये अनिवार्य रूप से संपत्ति की घोषणा की सिफारिश की थी। लेकिन इस बाबत अभी तक कोई वैधानिक नियम नहीं बनाए गए हैं। लेकिन अब स्वयं न्यायपालिका की तरफ से ऐसी व्यवस्था लागू करने का सराहनीय प्रयास होना सुखद ही कहा जायेगा।

न्यायपालिका हमेशा से समाज में पारदर्शिता, प्रामाणिकता, निष्पक्षता व शुचिता की पक्षधर रही है। जनता इस कसौटी पर अपने न्याय के देवताओं को भी खराब उत्तरता देखना चाहती है। निस्संदेह इस तरह के फैसले का समाज में पारदर्शी व्यवस्था लागू करने की दृष्टि से दूरगामी प्रभाव भी होगा। इस दिशा में ऐसी किसी भी पारदर्शी व्यवस्था का समाज में स्वागत ही होगा। ऐसे किसी भी कदम से उस आम आदमी के विश्वास को भी बल मिलेगा जो हर तरह के अन्याय व भ्रष्टाचार से तंग आकर उम्मीदों की अंतिम किरण के रूप में न्यायालयों का रुख करता है। वह न्यायाधीशों को न्याय, सत्य व सदाचारिता के प्रतीक के रूप में देखता है। वो न्याय देने वालों को न्याय की हर कसौटी पर खरा उत्तरता हुआ भी देखना चाहता है। यह न्याय की शुचिता की भी अनिवार्य शर्त है। जब एक अकेले व्यक्ति का जीवन भी मूल्यों एवं जीवन-मानकों के बिना नहीं बन सकता, तब एक न्याय-व्यवस्था मूल्यों, निष्पक्ष मानकों, पारदर्शिता एवं समानता के बिना कैसे शक्तिशाली एवं विश्वसनीय बन सकती है?

संबंधों का मौका प्रदान करती है

निश्चित रूप से, भारत की असाधारण शक्ति, विशेषकर अपने आस-पास के इलाके में, को नकारा नहीं जा सकता इन 1971 में, न ही 2025 में। यह अलग बात है कि शेख हसीना ने हाल के वर्षों में अपने पैतृों से विपक्षियों को राजनीति से बहुत हद तक महसूम रखा था इन्होंने भी उतना ही सच है कि भारत उनके ऐसे कई उपायों को अनुमोदित नहीं करता था, विशेष रूप से देश के भीतर शांति स्थापना की खातिर बांग्लादेश की राजनीति में दूसरी अहम महिला खालिदा जिया से राबता बनाने में उनके सीधे इनकार पर। भारत को आखिर में हसीना का समर्थन इसलिए करना पड़ा, क्योंकि उसे लगता था कि विकल्प कहीं अधिक बरा है।

वह स्याह डर अब सामने से गुजर रहा है। बांगलादेश में 5 अगस्त को हुए सत्ता परिवर्तन ने न केवल बंगबंधु की विरासत को खत्म कर डाला, बल्कि इसने बांगलादेश में पाकिस्तान की आईएसआई की नापाक उपस्थिति को भी मंजूर कर लिया ज्ञ बल्कि कहना चाहिए उसका स्वागत किया। साल 1971 में, 26 मार्च को, मुर्जिब-उर-रहमान द्वारा पाकिस्तान से आजादी की घोषणा करने के चंद घंटों के अंदर, पाकिस्तानी सेना ने ऑपरेशन सर्चलाइट मुहिम शुरू कर दी- 54 साल और कुछ दिन पूर्व जिसमें सैकड़ों बहिनीवियों नमारिकों और जानों की हत्या कर दी गई थी।

आज, پاکستانی سेना की मातहत और जासूसी एजेंसी आईप्सआई ढाका, चटगांव तथा अन्य जगहों की सड़कों पर फिर से लौट आई है। कालचक्र पूरा धूम चुका है। पिछले साल ढाका में मुख्य सलाहकार के रूप में शीर्ष पद पर यूनस की ताजपेशी में अमेरिकी खुफिया एजेंसी की संभावित भूमिका को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कुछ लोग कहेंगे, इतनी जल्दी यह कहना ठीक न होगा। क्योंकि इस नवीनतम शासन परिवर्तन का अध्याय अभी पूरा नहीं हुआ। कि बांग्लादेश के सेना प्रमुख जनरल वाकिर-उज़-जमान, जो हसीना के समय से हैं, अभी भी सेनाध्यक्ष हैं और एक शक्ति केंद्र हैं। कि बांग्लादेश की सेना, जिनमें से कई अपने पूर्ववर्तियों की वीरगाथाएं पढ़-सुनकर बड़े हुए हैं, वे जो 1971 में पाकिस्तान के खिलाफ बतौर मुक्तिजोद्धा लड़े थे, उनका प्रभाव इतनी आसानी से जाने

वाला नहीं।  
सवाल यह है कि अब आगे क्या? क्या यूनुस जल्द ही चुनाव की घोषणा करेंगे और क्या बीएनपी सत्ता में लौटेगी, और साथ ही खालिदा जिया का बेटा तारिक रहमान भी, जो 2006 में अपनी मां के चुनाव हारने के बाद से पिछले कई सालों से लंदन में निर्वासित जीवन जी रहा है? शायद यही भविष्य है, शायद इसलिए क्योंकि शेख हसीना की अवामी

# बैंकोंक ने मोदी-यूनिक्स मुलाकात के मायने



—ਕੇ ਅੰਦਰੋਂ ਵਾਲੀ ਹੈ।

उबरन आर अन्यत्र हमला करने का क्षमता ह।  
यही वजह है कि अपने छोटे पड़ोसियों को भारत जब कभी और जहां कहीं छोटे-छोटे अपराधबोध महसूस करवाता है तो वे इलाके के बड़े ड्रैगन (चीन) की ओर तकने लगते हैं इन्हें ज्यादातर मामलों को छोड़कर, और यकीन बांग्लादेश के मामले में, उसके और चीन के बीच दूरी काफी है। इसके अलावा, नाजुक मर्मस्थल दोनों तरफ है, यदि भारत की सेवन सिस्टर्स की घेराबंदी करने की फिराक में बांग्लादेश है, तब उसका भीतरी भाग असल में अपील करता है।

भारताय इलाका है। राजनेताओं और भूगोलवेत्ताओं, दोनों ने ही, इस मूलभूत तथ्य को काफी पहले समझ लिया था ज्याह कि भूगोल सिर्फ़ इतिहास नहीं है, यह मौजूदा राजनीति और कूटनीति से भी बना होता है। विस्टन चर्चिल गलत नहीं थे जब उन्होंने तय किया कि वे ऐसे प्रधानमंत्री नहीं बनेंगे जो ब्रिटिश साम्राज्य का सबसे अनमोल रत्न (भारतीय उपमहाद्वीप) को यूं ही छोड़ दे। विभाजन के वर्षों की गहन खोज से हमें पता चलता है कि जब 1947 में अंततः अंग्रेजों को लगने लगा कि अब झींकते-बिलबिलाते जाना ही पड़ेगा, तो मन बना लिया कि इस उपमहाद्वीप को अविभाजित एवं समन्वित इकाई के रूप में छोड़कर नहीं जाएगे। अब सीधे 2025 में आते हैं। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सेवन सिस्टर्स पर यूनस की बचकानी टिप्पणियों का त्वरित जवाब दिया, यह रेखांकित करते हुए कि भारत के पास पूर्व में न केवल लगभग 6,500 किमी. लंबा समुद्री तट है, बल्कि बंगल की खाड़ी के पांच देशों के साथ सीमा साझी है और यह भारतीय उपमहाद्वीप और आसियान मुल्कों के बीच

## गांधी मैदान में अंतर जिला अंडर 16 क्रिकेट टूनामेंट को लेकर तैयारी पूरी, आज सिमडेगा बनाम कोडरमा के बीच होगा क्रिकेट मैच

नेशनल प्रेस टाइम्स व्हर्यू

गोड्डा। झारखण्ड राज्य क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वावधान और डीसीए के मेजबानी में गांधी मैदान में अंतर जिला अंडर 16 क्रिकेट टूनामेंट को लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। हर आयोजन की तरह इस बार के आयोजन को भी लेकर जिला क्रिकेट संघ के सचिव रंजन कुमार की ओर से आयोजन कमेटी की एक पूरी टीम तैयार कर सदस्यों को जिम्मेदारी का निर्वाहन दिया गया है। जिसे पूरा करने में डीसीए के तमाम सदस्य दिन-रात डटे हुए हैं। मैदान और पिच के दुरुस्त करने का कार्य चरम पर है। इसके अलावा बाहर से आने वाले खिलाड़ियों के आवास भोजन आदि की व्यवस्था को लेकर टीम के सदस्यों को दायित्व सौंपा गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गांधी मैदान में अंडर 16 क्रिकेट टूनामेंट 8 अप्रैल से 17 अप्रैल तक होना सुनिश्चित किया गया है। डीसीए सचिव की ओर से 7/04/25 को पीच तैयार करके फाइनल करना एवं बांड़ी करने



का दायित्व रंजन, विजय, सिद्धार्थ, सूरज, प्रभु, तौसीफ को दिया गया है। खिलाड़ियों को सुबह नाश्ता के लिए मुकेश मोदी, मुकेश मंडल, कहौया, पकौड़ी, राहुल को, दोपहर का खाना के लिए मुकेश मंडल, सनोज, प्रभु, मुकेश मोदी को शाम का चाय एवं नाश्ता - मुकेश मंडल, कहौया को, रात का खाना अब्दु मुकेश, कहौया, मुकेश मोदी, राहुल को

मैदान में नगरपालिका से पानी छिड़काव एवं सफाई करने को लेकर मुकेश को, सुबह मैच से पूर्व ग्राउंड तैयार करने को लेकर विजय, बींद्र, सूरज, प्रभु, सनम, तौसीफ को, टेट लगाना के लिए सनोज, रंजन को, शाम में ग्राउंड मैदान में पानी छिड़काव संजीव कुमार,

सनोज, चीकू, पकौड़ी को, मैच के बाद पीच में पानी छिड़काव विजय, प्रभु को मैच के बाद पिच मरम्मती सनोज, चीकू को रात में पीच में रोलिंग एवं पीच कवर त्रिष्ण, प्रभु, सिद्धु, सनम, तौसीफ, मुकेश, बींद्र, विजय

अंपायर एवं ऑफिवर के लिए अजीत, दिव्यप्रकाश को, ग्राउंड में झंडा एवं कोण लगाना चीकू को, ड्रिंग्स प्रभु, सन्नी को, फ्लोरिक्स निकलना सनोज को सुबह ग्राउंड तैयार करवाकर समय पर टॉस करना एवं मैच चालू करवाने का दायित्व अभियंत बोस, शिव कुमार को होटल में खिलाड़ियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाने का दायित्व सनोज, संजीव, बाबू बजाज को

स्कोरबोर्ड - सन्नी एवं मैच का न्यूज इंतेखाब आलम राजू को तैयार करने एवं मंच संचालन का दायित्व प्रसिद्ध उद्घोषक किरमान अंसारी को दिया गया है। इसके अलावा बुन्न, सुजीत, अंजन के गोड्डा में रहने पर सुबह मैच से पूर्व विकेट तैयार करना और रात में पिच में रोलिंग के कार्य भी रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि गोड्डा के मेजबानी में लगातार क्रिकेट का आयोजन बेहतर तरीके से हो रहा है। इसी बात को लेकर जेसीसीए की ओर से डीसीए को इस जिले में लगातार बड़े टूनामेंट की जिम्मेदारी दी जा रही है। हाल ही दिनों में अंतर जिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता की जिम्मेदारी को डीसीए की ओर से पूरी तरह से पूरा किया गया। अब अंडर 16 क्रिकेट टूनामेंट की जिम्मेदारी दी जा रही है। आयोजन को लेकर डीसीए के तमाम सदस्य गांधी मैदान में पसीना बहा रहे हैं। डीसीए कोषाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि 8 अप्रैल को पहला मैच सिमडेगा बनाम कोडरमा के बीच खेला जाएगा।

## 36 चेक बाउंस, कैशियर निलंबित बिजली विभाग का फर्जी चेक घोटाला

एनपीटी व्हर्यू

बरेली। बिजली विभाग में एक के बाद एक घपले सामने आ रहे हैं। बिल जमा करने के लिए लगाए गए चेक बाउंस हो गए। फर्जी चेक से बिल जमा करने की आशंका है। अधिशासी अभियंता की तरफ से कोतवाली में नौ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

फर्जी चेक के निलंबित कर दिया गया।

फर्जी चेक में संविधा कर्मचारी के मकान से 98 बिलियां भीटर होने का मामला अपी शांत नहीं हुआ कि ग्रामीण क्षेत्र में एक नया मामला सामने आया था। चेक के जरिये दर्जनों उपभोक्ताओं के बिल जमा किए गए। इसकी रसेंदे भी दी गई हैं ये चेक बैंक में लगाए गए तो बाउंस हो गए। मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में आया तो हड्डीकप मच गया।

38 चेक के जरिए बिल जमा हुए जिसमें 36 चेक बाउंस हुए हैं। कार्तिक इंटरप्राइजेज, हिमांशु रंजन, लव कुमार, अनहर हुसैन के नाम से चेक विभाग में कैशियर राहुल गुप्ता की मदद

## बाके बिहारी मंदिर में चोरी करने वाले बैंककर्मी को पुलिस ने

मथुरा। बृंदावन के ठाकुर श्रीबाबिनिधी मंदिर में दान पेटिका से चोरी करने वाले अरोपी बैंककर्मी को पुलिस ने जेल भेज दिया है। इस मामले में मंदिर प्रबंधक ने रिपोर्ट दर्ज कराई है। मंदिर प्रबंधक मुरीश शर्मा ने बताया कि शनिवार को न्यायालय स्पिविल जज ज्युडिशल के आदेश पर मंदिर के आयुक्त और प्रबंधक ने पुलिस के सहयोग से तलाश कराई तो अरोपी फंस गया। उसके पास से 500-500 के 218 नोट और 200-200 के 98 नोट बरामद हुए। उसने यह नोट अंडरविवर में छुपा रखे थे। पूछताछ के दौरान अभिनव ने



स्कोपकार किया कि वह कई दिनों से चोरी कर की जा रही थी, तभी गिरनी के दौरान केनरा बैंक के लोन विभाग के फिल्ड ऑफिसर अभिनव सक्सेना पर रुपयों की चोरी करने का शक हुआ। इसके बाद मंदिर के आयुक्त और प्रबंधक ने पुलिस के सहयोग से तलाश कराई तो अरोपी फंस गया। उसके पास से 55 हजार 300 रुपये थे। पुलिस ने कुल मिलाकर 9 लाख 83 हजार 900 रुपये बरामद किए। पुलिस में रविवार को अरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेजने के आदेश दिए गए।

## मथुरा में रामनवनी पर भव्य शोभा यात्रा का किया आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम्स व्हर्यू

मथुरा। रामनवमी के अवसर पर मोहाली रोड वार्ड नंबर 68 नगर निगम मथुरा में भव्य शोभा यात्रा का आयोजन किया गया शोभायात्रा चामुंडा मंदिर से लेकर बस स्टैंड होकर चामुंडा मंदिर पाठक एडवोकेट कुलदीप पाठक एडवोकेट प्रशांत शर्मा एडवोकेट परनाकर स्वागत किया पत्रकार कनू सारस्वत सोधार्यों को खिलाड़ी पाठक एडवोकेट जी ने बताया कि ऐसे कार्यक्रमों गुड़ गौतम जी विजली वाले से आपसी भाईचारा बढ़ता व अन्य सभी भक्तगण हैं शोभायात्रा में मौजूद रहे।



## उत्तर प्रदेश

nationalpresstimes@gmail.com  
www.nationalpresstimes.com

## सैफनी में 'स्कूल चलो अभियान' के तहत जागरूकता ईली का आयोजन

नेशनल प्रेस टाइम्स व्हर्यू

उत्तर प्रदेश रामपुर सैफनी बीते दिन नगर स्थित कंपोजिट विद्यालय में हास्कूल चलो अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता ईली निकाली गई। इसके अलावा बुन्न, सुजीत, अंजन के गोड्डा में रहने पर सुबह मैच से पूर्व विकेट तैयार करना और रात में पिच में रोलिंग के कार्य भी रहेंगे।

उल्लेखनीय है कि गोड्डा के मेजबानी में लगातार क्रिकेट का आयोजन बेहतर तरीके से हो रहा है। इसी बात को लेकर जेसीसीए की ओर से डीसीए को इस जिले में लगातार बड़े टूनामेंट की जिम्मेदारी दी जा रही है। हाल ही दिनों में अंतर जिला सीनियर क्रिकेट प्रतियोगिता की जिम्मेदारी को डीसीए की ओर से पूरी तरह से पूरा किया गया। अब अंडर 16 क्रिकेट टूनामेंट की जिम्मेदारी दी जा रही है। आयोजन को लेकर डीसीए के तमाम सदस्य गांधी मैदान में पसीना बहा रहे हैं। डीसीए कोषाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि 8 अप्रैल को पहला मैच सिमडेगा बनाम कोडरमा के बीच खेला जाएगा।



उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए उपशिक्षकों का निकाली नगर के बोहल्लों से होकर गुजरी। जहां, जगह-जगह रुक्कर बच्चों के माता-पिता से संवाद किया गया। इस दौरान 6 से 14 वर्ष के बच्चों के हाथ में प्रवेश दिलाने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही, अब अंडर 16 क्रिकेट टूनामेंट की जिम्मेदारी दी जा रही है। आयोजन को लेकर डीसीए के तमाम सदस्य गांधी मैदान में पसीना बहा रहे हैं। डीसीए कोषाध्यक्ष सनोज कुमार ने बताया कि 8 अप्रैल को पहला मैच सिमडेगा बनाम कोडरमा के बीच खेला जाएगा।

रैली के समापन पर विद्यालय में बच्चों का उत्साहवर्धन किया गया था। बोहल्लों से अनपढ होना है। अभियाप, अब न रहेंगे अंगूठा छापह, हँजब दीर्घी शिक्षा की बारी, तभी तो होंगी देश की तैयारीहाँदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई ज्ञान आदि अध्यक्ष बरकत अली, रियाज अहमद, रेखा, राजेश कुमारी सहित अन्य शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

## -पूर्व विधायक अलुणवीर सिंह व जिला पंचायत प्रतिनिधि करनवीर -पूर्व विधायक अलुणवीर स

# डीएम ने फसल कटाई प्रयोग कर लिया उत्पादन का जायजा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्लूरो



**चित्रकूट ब्लूरो:** जिलाधिकारी शिवशरणपा जीएन ने सोमवार को ब्लाक मुख्यालय कर्वी की ग्राम पंचायत कामसर्टी में फसल कटाई प्रयोग कराकर सम्भावित उत्पादन का जायजा लिया। साथ ही बताया कि सरकार द्वारा 2425 रुपये प्रति किलोटल की एपएसपी से क्रय केन्द्रों में गेहूं की खरीद ही जा रही है।

सोमवार को जिलाधिकारी शिवशरणपा जीएन ने ग्राम पंचायत कामसर्टी में किसान मतगंजन प्रसाद के खेत में फसल कटाई प्रयोग कराया। जिसमें डीएम ने किसान के खेत के

हिस्से में गेहूं की फसल का कटाई प्रयोग कराया, जिसमें 19 किलो गेहूं ग्राम प्रधान से गत वर्षों में गेहूं उत्पादन निकला। इस प्रकार जनपद में प्रति के बारे में जानकारी ली, जिस पर ग्राम प्रधान ने बताया कि लगभग इतना ही

उत्पादन रहता है। इस दौरान जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को बताया कि जनपद में कुल 40 गेहूं क्रय केंद्र बनाए गए हैं, जिसमें से 25 क्रय केंद्रों पर क्रय कार्य प्रारंभ हो गया है। कहा कि सरकार द्वारा न्यूतम समर्थन मूल्य 2425 रुपये प्रति किलोटल की दर से गेहूं खरीदा जा रहा है। उन्होंने सभी किसान भाईयों से अपील की कि सभी लोग गेहूं सरकारी क्रय केंद्रों पर बैठें। इस मौके पर तहसीलदार चन्द्रकान्ता सिंह, सहायक सार्थियों की अधिकारी संतोष कुमार, लेखपाल राजेश वर्मा, ग्राम प्रधान रिशु सिंह आदि मौजूद रहे।

उन्होंने पत्र में बताया कि ग्राम पंचायत भद्रहटू की अनुसूचित जाति की बस्ती में आग लगने से लगभग 32 परिवारों के घर एवं गृहस्थी का सारा सामान जलकर राखा हो गया है। जिसमें उन्होंने मौके पर जाकर घटना स्थल का निरीक्षण करते हुए सभी पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर मदद करने के लिए आश्रमत किया था। जिसके बाद सोमवार को उन्होंने जिला पंचायत सदस्य प्रतिनिधि द्वारा यादव, सपा नेता कुलदीप यादव, सत्यम यादव, पूर्व प्रधान देवारी नथन यादव, पूर्व प्रधान पृष्ठ यादव सुखीरा, राजापुर अध्यक्ष नवनीत सोनी, सपा नेता मनीष पठारी, लवकुश विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

## संक्षिप्त समाचार

### भीम आर्मी ने अग्निपीड़ितों को बांटी खाद्य सामग्री

**चित्रकूट ब्लूरो:** भीम आर्मी व आजाद समाज पार्टी चित्रकूट के पराधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सोमवार को राजापुर तहसील क्षेत्र के भद्रहटू गांव के अग्निपीड़ित परिवारों से खाद्य सामग्री वितरण कर मदद की। इस मौके पर भीम आर्मी के जिला संयोजक संजय कुमार गौतम, आजाद समाज पार्टी के जिलाध्यक्ष कुंवर सिद्धार्थ, विनोद कुमार वर्मा, रामनाथ वर्मा, श्रीपाल प्रजापति, देवशरण वर्मा, भाय चंद्र सोनकर, विजय सोनकर, राकेश पठारी, लवकुश विश्वकर्मा आदि मौजूद रहे।

### अग्निपीड़ितों से कौगेसियों ने की मूलाकात

**चित्रकूट:** कौगेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं ने सोमवार को राजापुर तहसील क्षेत्र के भद्रहटू गांव के अग्निपीड़ित परिवारों से कहा कि आग से गरीब बस्ती में भारी नुकसान हुआ है। शासन द्वारा अग्निपीड़ितों को जो मदद की गई है, वह नाकामी है। उन्होंने सरकार की मांग की कि प्रयोगी पीड़ित परिवार को पक्का आवास और पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा दिया जाए। इस मौके पर वरिष्ठ कौगेस नेता गज्जु प्रसाद फौजी, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष कमाता प्रसाद द्विवेदी, वरिष्ठ नेता वर्णेन्द्र सिंह आदि मौजूद रहे।

### जौ अप्रैल तक विद्यालय के माध्यम से कठाएं संथोधन

**चित्रकूट:** जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा परिषद की वर्ष 2025 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सम्प्रिलित हुए विद्यार्थियों के शैक्षिक विवरणों में यदि किसी भी प्रकार की त्रुटि हो तो माध्यमिक शिक्षा परिषद की वेबसाइट पर प्रधानाचार्य द्वारा लोगइन कर निर्धारित प्रारूप पर मैन्युअल को डाउनलोड कर अपेक्षित संशोधन का विवरण अंकित कर सत्यापित करते हुए उनसे अनुमोदित कराने के बाद वेबसाइट पर पुः लोगइन कर पूरित प्रारूप संवित समस्त आवश्यक साक्ष्य व प्राप्तों को अपलोड कर दें। बताया कि इसके लिए नौ अप्रैल की शाम छह बजे तक परिषद की वेबसाइट क्रियाशील रहेगी। कहा कि निर्धारित समय सीमा के बाद शैक्षिक विवरणों के संशोधन की अपेक्षा करने वाले विद्यालयों पर टप्पे अधिरेपित किया जाएगा।

### ऋण के लिए करें ऑनलाइन आवेदन

**चित्रकूट:** उप आयुक्त उद्योग एसपे के केशवानी ने बताया कि एमएसएमई इकाईयों को गति प्रदान करने तथा क्षेत्र में अधिक रोजगार सुजन किए जाने व प्रदेश में पूँजी निवेश को आर्किट करने के लिए वर्तमान वर्ष में 1.5 लाख रुपये की सुधार्य इकाईयों को स्थापित किए जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसकी पूर्ति के लिए मैन्युअल को डाउनलोड कर अपेक्षित संशोधन का विवरण अंकित कर देवरण अंकित कर सत्यापित करते हुए उनसे अनुमोदित कराने के बाद वेबसाइट पर पुः लोगइन कर पूरित प्रारूप संवित समस्त आवश्यक साक्ष्य व प्राप्तों को अपलोड कर दें। बताया कि इसके लिए नौ अप्रैल की शाम छह बजे तक परिषद की वेबसाइट क्रियाशील रहेगी। कहा कि निर्धारित समय सीमा के बाद शैक्षिक विवरणों के संशोधन की अपेक्षा करने वाले विद्यालयों पर टप्पे अधिरेपित किया जाएगा।

### गेहूं खरीद केन्द्र की अग्नियमिताओं को भाकियू ने किया उजागर

**चित्रकूट ब्लूरो:** भारतीय किसान युनियन अराजनीतिक के प्रेसर अध्यक्ष हरि नाम सिंह वर्मा व युवा प्रेसर अध्यक्ष दिगंबर सिंह ने पूरे बुंदेलखण्ड का दौरा किया। जिसमें मैदानों पर गेहूं क्रय केंद्रों के अवलोकन में पाया गया कि गेहूं के खरीद केंद्रों में किसानों से 20 रुपये प्रति किलोटल पल्लवारी जो सरकार द्वारा निश्चित है, उससे अधिक दो किलो गेहूं प्रति किलोटल गेहूं लिया जा रहा है। साथ ही सफाई, पानी पिलाने और बैठने की व्यवस्था के नाम पर 10 किलो गेहूं प्रति ट्रैक्टर लिया जा रहा है, जो कि सर्वथा अनुचित है।

उन्होंने कहा कि बुंदेलखण्ड का किसान पहले से ही बहुत सारी प्राकृतिक और अधिक समस्याओं को झेल रहा है। इस बीच किसान को ऐसा शोषण भारतीय किसान युनियन अराजनीतिक द्वारा बर्दस्त नहीं किया जाएगा। जिलाध्यक्ष बृजेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि अगर किसानों को गेहूं उचित समर्थन मूल्य में उचित पल्लवारी के साथ नहीं क्रय किया गया तो बुंदेलखण्ड के सभी किसान समस्याओं को लेकर एक बड़ा अंदोलन करेगा। साथ ही बुंदेलखण्ड के किसानों के ऊपर हो रहे अन्याय को रोकने के लिए प्रत्येक जिले से लेकर लखनऊ तक संघर्ष करेगा।

## रिक्षा के बल पर गरीब परिवारों के बच्चे भी हासिल करते हैं उच्च सम्मान- आनंद



गुणवत्ता सहित अन्य कार्यों में प्रदेश में नंबर एक की स्थिति में है। कहा कि जनपद के सभी विद्यालयों के बार्षिकोत्सव व मेधावी विद्यार्थी समान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर समानित किया गया।

कार्यक्रम में पूर्व विद्यालय आनंद शुक्ला ने कहा कि वर्तमान समय में परिषदीय विद्यालयों में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। अधिभावक अपने बच्चों का नामांकन परिषदीय विद्यालयों में ज्यादा से ज्यादा कराए। भाजपा जिलाध्यक्ष महेन्द्र कोटार्य ने कहा कि वर्तमान सरकार की प्राथमिकता है कि प्राथमिक शिक्षा मजबूत बने। इसके लिए प्रत्येक तरह के संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इस दौरान विद्यालय की वार्षिक परिवार के बार्षिकोत्सव व मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन कमलेश कुमार सिंह ने किया।

इस मौके पर प्राथमिक शिक्षक-शिक्षिकाएं समय से विद्यालय के प्रधानाध्यापक तुलसीदास पांडेय, विद्यालय के अध्यापक शिक्षक-शिक्षिकाएं समय से विद्यालय पहुंचते हैं। साथ ही विद्यार्थियों को गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रदान की जा रही है।

इस दौरान विद्यालय की वार्षिक परिवार के बार्षिकोत्सव व मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कृत कर समय हो गया। लगभग 20 बच्चों को विद्यालय के बार्षिकोत्सव में बाल वाले व विद्यालय आदि मौजूद रहे।

## दोडवेज की दाह में उच्चाटन का दोड़ा

नेशनल प्रेस टाइम्स ब्लूरो  
नाराहत (ललितपुर)। जामनी बांध से ललितपुर, धौरी, जाखलौन से ज्ञांसी के लिए 20 परमित जारी किए गए हैं, लेकिन सड़कों पर ज्यादातर बसें नदारद हैं। महज आठ बसों का संचालन हो रहा है।

इससे ग्रामीणों को आवागमन में दिक्कत की रखी है। कहा कि जनपद के लिए नंबर एक की धरानी वाले, लेकिन अब तक बसें नदारद हैं। यह जारी करने के लिए विद्यालय के बार्षिकोत्सव व मेधावी विद्यार्थियों को सुविधा प्रदान करना चाहिए।

ललितपुर। रोडवेज डिपो बनकर तैय







